

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 697]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 6, 2004/श्रावण 15, 1926

No. 697]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 6, 2004/SRAVANA 15, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2004

सं. 43 (आरई-2003)/2002-2007

का.आ. 902(अ).—समय-समय पर यथासंशोधित निर्यात और आयात नीति 2002-07 के पैराग्राफ 2.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22वाँ) की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा निर्यात और आयात मर्दों के आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण, 2002-07 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

1. निर्यात और आयात मर्दों का आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण, 2002-2007 के अध्याय 1 क (आयात नीति की सामान्य टिप्पणियाँ) की शर्त 16, संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ी जाएगी :

"16. (I) निम्नलिखित पशुधन और पशुधन उत्पादों का सभी देशों से भारत में आयात निषिद्ध होगा :

- (i) पिंजरे में बन्द पक्षियों सहित घरेलू और वन्य पक्षी,
- (ii) जीवित सुअर और सुअर के मांस के उत्पाद (संसाधित सुअर उत्पादों को छोड़कर)
- (iii) वन्य पक्षियों सहित पक्षियों की प्रजातियों का मांस और मांस उत्पाद (पोल्ट्री का संसाधित मांस और पोल्ट्री मांस के उत्पादों को छोड़कर)
- (iv) घरेलू और वन्य पक्षियों का वीर्य
- (v) मशु चारे अथवा कृषि अथवा औद्योगिक प्रयोग के लिए पशु मूल (पक्षियों से) के उत्पाद :

(II) उपर्युक्त के अलावा, केन्द्र सरकार उन देशों से भारत में आयात को भी निषिद्ध करती है, जिनमें बहुत ज्यादा पैयोजेनिक एवियन इन्फ्लुएंजा (फाउल प्लेग) फैला हुआ है इसमें निम्नलिखित पशुधन तथा पशुधन उत्पाद शामिल हैं नामतः

- (i) नवजात चूजे, बत्तख, पीरू (टर्की) तथा अन्य नवजात पक्षियों की प्रजातियाँ,
- (ii) प्रसूत अण्डे
- (iii) अण्डे तथा अण्डे के उत्पाद
- (iv) वन्य पक्षियों समेत पक्षियों की प्रजातियों से प्राप्त मांस तथा मांस के उत्पाद,
- (v) पंख,
- (vi) सुअर मांस के उत्पाद,
- (vii) रोगात्मक पदार्थ तथा पक्षियों से प्राप्त जैविक उत्पाद।

2. यह विधिद्विकरण इस अधिनियम के प्रकाशन की तारीख से 6 महीने अथवा इसे संशोधित किए जाने या इसे वापिस लिए जाने जो भी पहले हो, तक लागू रहेगा।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फ. सं. 01/89/180/वि.वि. 77/इ.स. 04/पी.सी.-I-क]

गोपाल के. पिल्लै, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं फ्रीड अफर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th August, 2004

No. 43/(RE-2003)/2002-2007

S. O. 902(E).—In exercise of powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) read with Paragraph 2.1 of the Export and Import Policy—2002-07, as amended from time to time, the Central Government hereby amends the ITC (HS) Classification of Export and Import Items, 2002-07 as under :—

1. Condition 16 of Chapter I A (General Notes to Import Policy) of the ITC (HS) Classifications of Export and Import items 2002-2007 shall be amended to read as under :—

“16. (I) Import into India of the following livestock and livestock products, shall be prohibited from all countries :

- (i) domestic and wild birds including the captive birds,
- (ii) live pig and pig meat products (except processed pig products),
- (iii) meat and meat products from avian species including wild birds (except processed poultry meat and poultry meat products),
- (iv) semen of domestic and wild birds,
- (v) products of animal origin (from birds) intended for use in animal feeding or for agricultural or industrial use;

(II) In addition to above, the Central Government also prohibits the import into India from the countries reporting the outbreak of Highly Pathogenic Avian Influenza (Fowl Plague), the following livestock and livestock products, namely :

- (i) day old chicks, ducks turkey and other newly hatched avian species,
- (ii) hatching eggs,
- (iii) eggs and egg products
- (iv) meat and meat products from avian species including wild birds,
- (v) feathers,
- (vi) pig meat products,
- (vii) pathological material and biological products from birds.

2. The prohibition shall be in force for a period of six months from the date of publication of this notification or till such time it is modified or withdrawn, whichever is earlier.”

This issue in public interest.

[F. No. 01/89/180/Misc.-77/AM-04/PC-I-A]

G. K. PILLAI, Director General of Foreign Trade and ex-officio Addl. Secy.